सं॰ मो॰ वि॰/एफ॰डी॰/45-87/13772---चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै॰ मैनेजिंग डायरेक्टर, दी गुड़गांव सैंग्ट्रल कोपरेटिव बैंक लि॰, गुड़गांव, के श्रमिक श्री धनी राम, पुत्र श्री नाथु राम, मकान नं॰ 726/18, मोम नगर, गुड़गांव सचा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले में कोई शिधोगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को भ्यायनिर्णय हुतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, शब, श्रीक्षोगिक बिवाद ग्रिविनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिक्षना सं० 5415—3—अस-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उनत अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला व्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन भास में देने हेतु निद्धित करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रयवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री धनी राम की सेवाभों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० भो० वि०/एफ.डी./43-87/13779.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० हनीटी कन्फैक्सनरी हाउस नं० 21 I.D.C., महरोली रोड़, गुड़गांव, के श्रमिक कुमारी सुनीता सतीजा माफ्त श्री मुरली कुमार, महा सचिव, 5/1, किवाजी नगर, गुड़गांव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बार्ष लिखित मामले में कोई श्रीखोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपास को न्यायनिजय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई गक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415—3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495—श्री—श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की खारा 7 के अधीन निव्त अब न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित निवे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निविंग्ट करते हैं जोकि उन्त प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच यो तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित नामला है :---

क्या कुमारी सुनीता सतीजा की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो किस राहत की हकदार है?

सं भो वि नि ने हितक | 47-87 | 13787 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं वी हिंग्याणा कोपरेटिव शुगर मिल लि , रोहतक, के श्रमिक श्री पलक धारी, पुत्र श्री मंगर, मकान नं 36, शूगर मिल काकोनी रोहतक तथा उसके प्रबन्धकों के दीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई धौद्योगिक दिवाद है;

भौर कृकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, यब, भौद्योगिक विवाद श्रिष्ठितयम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिष्ठ चुना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी ग्रिष्ठितियम की धारा 7 के ग्रिष्ठीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनिणंय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रयवां सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री पलक धारी की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं धो॰ दि॰/ग्रम्वाला/32-87/13794.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ वैस्टर्न इलैक्टोक एण्ड साईटीफिक वर्कस, 3 कास रोड़, ग्रम्बाला छावनी, के श्रमिक श्री हरनेक सिंह, पुत्र श्री बजीर सिंह मार्फत बी. एस. सैनी, 8/2, कानवाई पार्क, ग्रम्बाला छावनी, तथा उसके प्रशस्कों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीबोणिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं!

इसलिये, अब, भौद्योगिक विवाद भिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मिन्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी भिधिसूचना सं० 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला की विवाद प्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री हरनेक सिंह की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो बहु किस राहृत का हकदार है?